

3rd Edition of North India Solar Summit-2016 successfully organized by Indian Industries Association (IIA) from 11th - 13th March, 2016

ndian Industries Association (IIA) is committed for the cause of use of clean energy and keeping in view the huge potential in Solar Energy sector, the idea of organizing of North India Solar Summit (NISS) was conceptualized in the year 2013. The first event was successfully organized in March 2014. Encouraged by the overwhelming response of the solar companies from within and outside the country, IIA decided to organize NISS every year. Second edition of the event was organized in April, 2015.



March 2016 at IIA Bhawan

he third edition of North India Solar Summit (NISS-2016) was organized in IIA Bhawan Grounds from 11th to 13th March, 2016. Preparations for NISS- 2016 started immediately after NISS -2015 and the website for the event was refreshed immediately. Correspondences with MNRE, Government of India, Department of Additional Sources of Energy, Government of U.P and UPNEDA was initiated for their involvement and support. All the three departments/organisations responded positively and UPNEDA agreed to be the co-organizer of this mega event. SIDBI and ZDH Sequa (Germany) joined as sponsorers for the event. Publicity for the event was done through FM Radio, Newspaper advertisements, E-mailers and contact through phone etc.

Finally on 10th March, 2016 a curtain raiser media meet was organized at IIA Bhawan, Lucknow. In this meeting, President-IIA elaborated on the objectives, activities and expectations from NISS-2016.

10 मार्च 2016, नार्थ इण्डिया सोलर, सम्मिट पर श्री मनीष गोयल, अध्यक्ष आई०आई०ए० का प्रेस एवं मीडिया सम्बोधन

पिछले कुछ वर्षो तक सूर्य देव को हम धरती पर सभी प्रकार के जीवों के संरक्षण एवं भरण पोषण करने वाला मानते रहे है। सूर्य देव की कृपा से बिजली उत्पादन की ओर हमारा ध्यान तब गया जब पारम्परिक तरीकों से बिजली उत्पादन की क्षमताएं क्षीण होने लगी और पर्यावरण की भी समस्या उत्पन्न होने लगी। आज लगभग 290000 मेगा वाट (290 गीगा वाट) बिजली का उत्पादन भारत वर्श में हो रहा है। जबकि भारत में लगभग 750000 मेगा वाट (750 गीगा वाट) सौर ऊर्जा की क्षमता है जिसमें से आधी से अधिक क्षमता उत्तर एवं मध्य भारत में है। केवल उत्तर प्रदेश में 22830 मेगा वाट सीर ऊर्जा उत्पादित की जा सकती है। भारत सरकार ने वर्ष 2022 तक 100000 मेगा वाट(100 गीगा वाट) सौर ऊर्जा के उत्पादन का लक्ष्य रखा है जिसमें 40000 मेगा वाट रूफ टॉप एवं 60000 मेगा वाट प्रिड से जुड़े मझोले और बड़े सौर ऊर्जा संयन्त्रों से उत्पादित की जाएगी। इस लक्ष्य में उत्तर प्रदेश का लक्ष्य 10697 मेगा वाट का है यानी पूरे भारत के लक्ष्य का 10प्रतिशत से अधिक, और यदि उत्तर भारत के लक्ष्य की बात <mark>करें तो यह लक्ष्य</mark> 31119 मेगा वाट है। इन आंकड़ो से भी स्पष्ट है कि समूचे उत्तर भारत के कुल लक्ष्य का एक तिहाई से अधिक लक्ष्य उत्तर प्रदेश का <mark>है। यही कारण था</mark> कि "नार्थ इण्डिया सोलन सम्मिट" के आयोजन का निर्णय इण्डियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन (आई0आई0ए0) द्वारा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बहुत पहले वर्ष 2013 में ही ले लिया था। कल यानी 11 मार्च को प्रारम्भ होने वाला तीन दिवसीय सम्मिट लगातार तीसरा संस्करण है।

31 जनवरी 2016 तक 5550 मेगा वाट सौर ऊर्जा का उत्पादन देश में हो रहा है जिसे बढ़ाकर वर्ष 2022 तक एक लाख मेगा वाट किया जाना है। इससे स्पष्ट है कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में कितनी अपार सम्मावनाएँ है। वर्ष 2014 में जब आई0आई0ए0 द्वारा इस नार्थ इण्डिया सोलर समिट का शुमारम्म किया तब उद्देश्य यही था कि अधिक से अधिक जनता तक सौर ऊर्जा के बारे में जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध करायी जाये तथा सौर ऊर्जा उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के उत्थान के लिए केन्द्र एवं प्रदेश सरकार

Media Coverage of North India Solar Summit 2016

THE TIMES OF INDIA, LUCKNOW SATURDAY, MARCH 12, 2016

hindustantimes

HINDUSTAN TIMES, LUCKNOW SATURDAY, MARCH 12, 2016

UP to boost so power generat

TIMES NEWS NETWO

Lucknow: The three-day North India Solar Summit 2016, which was inaugurated by Nitin Agarwal, minister of state (independent by Nitin Agarwal, minister of state (independent charge), MSME of UP government on Friday delved on the scope and challenges of solar energy generation in india. The Union Government has set a target of generating 100000 megawatt solar energy by 2022, out of which UP's target is to deliver 10997 megawatt. The North India's share in this to SURVEY DELVER TO STATE OF THE STATE OF T

Govt to extend all help to solar energy secto

प्रदेश की अहम भूमिका

should aim to g third solar powe target for North Manish Goe

of the Indian In of the Indian In sociation (organ workshop) said, half of the total solar energy ger in North and Ca while in Uttar Pr. while in Uttar Pr.
22830 megawatt s
can be generate
tential of solar p
ation in India is s
megawatt, he add
that, small mari
must be given a
to pau
it purc

'India has potential to generate 7,50,000 mw solar power'



= Participants at the North India Solar Summit at IIA Bhawan on Friday.

HT Correspondent

electricity was being generated from all sources of energy in

अमरउजाल

लखनऊ। शनिवारः १२ मार्च २०१६

ऊर्जा क्षेत्र में निवेशकों को मिलेगी पूरी मदद

डिया सोलर समिट का एमएसएमई राज्यमंत्री ने किया उदघाटन

12 मार्च 2016 द्वनिक जागरण 11

सौर ऊर्जा उत्पादन में उत्तर

www.samaylive.com | सहारा | 17 लखनऊ। शनिवार ● 12 मार्च ● 2016

फ्री होल्ड होगी औद्योगिक

भूमि: नितिन अग्रवाल

लखनऊ। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) तथा निर्यात प्रोत्साहन राज्य मंत्री निर्दान अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार अक्टूबर

आंता राहा हाराक्रमान करने करने प्रकार करने के कर अक्साकन करने एपन पता लेका
हरहाने मुस्सीम्परन
हराने मुस्सीम्परन

सोलर उपकरण सस्त

सौर ऊर्जा के लिए उद्यमियों को मदद

जनता को लाभान्वित करने का कष्ट करें।

अपना योगदान दें।

सोलर ऊर्जा से जुड़े उद्यमियों की होगी मदद

सोलर ऊर्जा का उपयोग करने के लिए आम नागरिकों के मध्य जागरूकता पैदा की जाये : आलोक रंजन

4 लावनक

नैट मीटरिंग प्रणाली को लागू करने में अभी कुछ दिक्कते आ रही

जिसमें नेट मीटरों की उपलब्धता और ग्रिड पावर में फिक्सड चार्जेज की समस्या है। नेट मीटरों की समस्या तो आशा है शीघ्र ही हल हो जाएर्ग

और ग्रिड पावर के फिक्सड चार्जेज पर आई0आई0ए0 द्वार

अब मैं आपको नार्थ इण्डियन सोलर सम्मिट 2016 के तीनो दिनों में होने वाले कार्यक्रमों के बारे में बताना चाहॅगा कि 11 मार्च को इस सम्मिट क

शुभारम्भ प्रातः 10.00 बजे से हो जाएगा परन्तु विधिवत उद्घाटन

अपराहन 3 बजे माननीय श्री नीतिन अग्रवाल, राज्यमंत्री स्वतन्त्र प्रभार

सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम् तथा निर्यात प्रोत्साहन विभाग उत्तर प्रदेश

द्वारा किया जाएगा इस कार्यक्रम की रूपरेखा एवं निमंत्रण पत्र संलग्

है। आपस सभी पत्रकार बन्धुओं से निवेदन है कि इस उदघाटन समारोह में पधार कर आयोजन की शोभा बढाने का कष्ट करें। 12 मार्च 2016 क ''नेशनल सोलर कॉन्क्लेव'' का आयोजन किया गया है जो प्रातः 10 बर्ज

से 4 बजे तक आई0आई0ए0 भवन के सभा-कक्ष में आयोजित होगी मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश इस कान्क्लेव का उदघाटन करेंगे तथा प्रदेश सरकार केन्द्र सरकार, उद्योग एवं शिक्षा क्षेत्र में सौर ऊर्जा से जुड़े विशेषज्ञ इसमें अपना–अपना प्रस्तुतीकरण करेगे जिसके उपरान

प्रश्न–उत्तर का सत्र भी होगा। इस कॉन्क्लेव का विस्तृत कार्यक्र

विवरण भी आपके सलभ संदर्भ हेत संलग्न है। आप सभी पत्रकार बन्धओ

से निवेदन है कि इस कॉन्क्लेव में भी भाग लेने का कष्ट करें और इस

दी जाने वाली जानकारी को जन-जन तक पहुँचाकर इस पुनीत कार्य मे

वैसे तो नार्थ इण्डिया सोलन सम्मिट के तीनों दिन वायर-सैलर मीटिंग

का प्रावधान है और 13 मार्च को आई0आई0ए0 भवन के दोनों सभागा इन मीटिंगों के किए उपलब्ध रहेगें।नार्थ इण्डियना सोलर सम्मिट 2016 में सौर ऊर्जा से जुड़ी पूरे देश की कम्पनियाँ लगभग 50 स्टॉल लगा रर्ह है जिनमें सौर ऊर्जा से सम्बन्धित सभी प्रकार के उत्पाद एवं सेवा

प्रदर्शित की जाएँगी। यह सौर ऊर्जा के उपयोग करने, सौर ऊर्जा की जानकारी प्राप्त करने तथा सौर ऊर्जा में नवीन टैक्नॉलॉजी पर कार

करने के इच्छुक व्यक्तियों और संस्थानों के लिए एक सुनहरा मौका है

जो साल में र्कवल एक बार आता है। अतः मेरा आपसे अनुरोध है कि इर

आयोजन की जानकारी अच्छी प्रकार से जन–जन तक पहुँचाकर आम

यु0पी0ई0आर0सी0 को प्रस्ताव प्रस्तुत कर दिया है।

लिर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए मियों को देंगे मदद : मुख्य सचिव

प्रदर्शनी में दिखी सोलर

संयंत्रों की तकनीकी

बिजली गुल होने पर सौर ऊर्जा देगी रोशनी



इट में राज्य जिल्ला के अबवाल व अन्य मण्ड हैं। इससे पूर्व आइआइए किए जाने की मांग की। उ मनीष मोचल ने अपने संबोधन में जैसे बढ़े राज्य में महल उद्य में सुस्म, लघु व मध्यम उद्यामों के कार्डीयल होने से उद्याम

आईआईए भवन में शुरू हुई समिट

एनबीटी, लखनऊ : सीलर ऊर्ज़ा को बढ़ावा देने के लिए शुक्रवार को नेडा और आईआईएस की और से तीन दिस्तिय समिट शुरू हुई। गोमती नमर के आईआईए भवन के मैदान में समिट के घहले दिन नीर्थ इंडिया समेल पूरे पर्यक्ष से उद्योगियों ने हिस्सा लिया। समिट का उद्याट आईआईए अध्यक्ष मनीप नेयल ने किया।



सोलर ऊर्जा को बढावा देने के लिए उद्यमियों की हर सम्भव मदद करेगी सरकार: आलोक रंजन

DAY-1

NISS-2016 was inaugurated by Hon'ble Minister of State (Independent Charge) MSME and Export Promotion (U.P) Shri Nitin Agarwal on 11th March, 2016.



The inaugural function of NISS-2016 was held in the conference hall of IIA Bhawan wherein the proceedings started with lightening of the lamp by the Chief Guest, Shri Nitin Agarwal and other dignitaries present on the occasion. In the Inaugural function, Hon'ble Minister lauded the efforts of IIA for organizing this biggest Solar Energy event in North India.

While visiting the stalls put up by the exhibitors Shri Nitin Agarwal took keen interest in understanding the Solar Systems, equipment and technologies. In his inaugural address Shri Nitin Agarwal said that the number of IIA representatives/proposals was pending in his department for disposal since long. As soon as I took over the Ministry of MSME and Export Promotion, I tried to dispose off these these representations of IIA on priority. As a result DI rate contract system has been notified, Government orders for purchase and price preference to MSMEs has been released. The issue of conversion of leasehold industrial land to freehold is being looked into seriously at Government level. Procurement manual will also be released soon.



Other speakers in the inaugural function spoke about the scope of utilization of solar energy in today's time and steps/initiatives already taken by the Government for Promotion and development of Solar Energy. President-IIA, Shri Manish Goel said that the use of Solar Power by MSMEs and common man is still prohibitive due to its high cost involved. Though the cost has come down substantially over the past few years yet it is beyond the affordable limits. Shri Goel further said that Government has also started



Sh. Manish Goel, President-IIA telling about the usage of Solar Energy, problems being faced by the entrepreneur and

withdrawing the subsidies to certain section of users. He informed that on IIA's demand during NISS-2015, Hon'ble Chief Minister, U.P. was kind enough to announce exemption of VAT on Solar appliances and items. This has helped in the reduction of the cost of Solar systems a bit. IIA have now represented for exemption of demand charges in the grid power supply for those consumers who will install solar power systems to the extent of Solar Power Systems installed.



Shri Sunil Vaish, Sr. Vice President-IIA, Shri Pankaj Gupta, General Secretary-IIA, Shri Ashok Agarwal, Treasurer-IIA and majority of IIA Past Presidents were also present in the inaugural function. IIA Past Presidents Shri Sanjay Kaul, Shri Ajay Gupta, Shri G.C.Chaturvedi, Shri Tarun Khetrapal, Shri Ramji Suneja, Shri Anil Gupta, Shri Jugal Kishore then had a snap with Hon'ble Minister of State (I.C) Shri Nitin Agarwal.

Industrial Directory Western UP-2015

DISTRICTS OF UTTAR PRADESH

AGRA, BAREILLY, BIJNOR, BULANDSHAHAR, DEOBAND, ETAWHA, FIROZABAD, GHAZIABAD, HAPUR, HATHRAS, KASGANJ, MATHURA, MEERUT, MODINAGAR, MORADABAD, MUZAFFARNAGAR, NAJIBABAD, NOIDA, RAMPUR, SAHIBABAD, SAHARANPUR, SHAHJAHANPUR, SHAMLI, SIKANDRABAD, Gr. NOIDA, ALIGARH, ETAH, PILIBHIT, FARUKHABAD



INDIAN INDUSTRIES ASSOCIATION

AN APEX BODY OF MICRO. SMALL & MEDIUM ENTERPRISES

H.off.: IIA Bhawan, Vibhuti Khand-II, Gomti Nagar, Lucknow



कृप्या डायरेक्ट्री मे अपनी (COMPANY NAME, ADDRESS, PH. & MOB., BUSINESS DETAIL) जानकारी E-Mail करें।

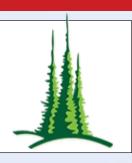
E-mail: directoryiia@gmail.com

AS PUBLICATIONS M: 94122-94255, 945700-5700, 99270-19456



NSS-2016







NATIONAL SOLAR CONCLAVE-2016

"National Solar Conclave-2016" (NSC-16) was organized at IIA Bhawan Conference Hall on 12th March, 2016. Simultaneously Solar exhibition was also organized

on its peak on day 2

Objectives of organising NSC-16 was to bring together all concerned organizations working for promotion, innovation, production, implementation and use of Solar Power, so as to find solutions to the gap areas in the policies, plans ways and means to promote innovations in techno-commercial and use of power in domestic and industrial arena.



National Solar Conclave 2016 was inaugurated by Shri Alok Ranjan IAS, Chief Secretary Uttar Pradesh, Shri Parthasarthi Sen Sharma IAS, Secretary to Hon'ble Chief Minister U.P. as well as Secretary Additional Sources of Energy, Government of U.P. was the Guest of Honor on this occasion. Apart from this, experts from IREDA, UPERC, NABARD, Department of Renewable Energy Lucknow University, UPPCL and Solar Industries made presentations in this conclave.

Shri Alok Ranjan IAS, Chief Secretary Uttar Pradesh & Shri Parthasarthi Sen Sharma IAS, Secretary to Hon'ble Chief Minister U.P. visited IIA Grounds for seeing the Solar Exhibition and took keen interest in the solar products displayed





Delegates from Government and Non-Government organizations Solar Research & Training Organisation, System Integrators, Solar Equipment & Material Manufacturers & Dealers, Students, Progressive Farmers, representative groups of potential users in homes, flats, offices, commercial establishments, factories, civic authorities and media etc attended the conclave in large numbers.



National Solar Conclave-2016 then started with the lightening of the lamp of the Chief Guest, Guest of Honors

and other dignitaries. Delegates from Government and Non-Government organizations Solar Research & Training Organisation, System Integrators, Solar Equipment & Material Manufacturers & Dealers, Students, Progressive Farmers, representative groups of potential users in homes, flats, offices, commercial establishments, factories, civic authorities and media etc attended the conclave in large numbers.

Shri Alok Ranjan, Hon'ble Chief Secretary U.P appreciated the efforts of IIA and said that various important steps such as Solar Policy, Net Metering system, exemption of VAT from solar products and devices etc have already been taken by the Government on the recommendations of IIA and many other positive steps are yet to come for the upliftment of Solar field. Hon'ble Chief Secretary was pleased to know that IIA will soon be installing a 20 KW solar plant.



Address of Shri Alok Ranjan, I.A.S., Chief Secretary, Government of U.P. in National Solar Conclave at IIA Head Office.

मुझे हर्ष है कि इण्डियन इण्डस्ट्रीज एसोएिशन (आई०आई०ए०) द्वारा लगातार तीसरे वर्ष ''नार्थ इण्डिया सोलर सम्मिट—2016'' का आयोजन उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में किया जा रहा है। यह एक सराहनीय कार्य है। मुझे यह भी ज्ञात हुआ है कि उत्तर भारत में सौर ऊर्जा की यह सबसे बड़ी प्रदर्शनी है और इस प्रदर्शनी के साथ—साथ सौर ऊर्जा पर सेमीनार और कॉनक्लेव भी आयोजित किये जा रहे है।

IIA Bhawan, Vikheni Ka.
Liackani
Chief Guest of human

अध्यक्ष आई०आई०ए० श्री मनीष गोयल

ने जब मुझे यह बताया कि ''नार्थ इण्डिया सोलर सम्मिट—2016'' का आयोजन उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में इस लिये करने का निर्णय लिया गया क्योंकि उत्तर प्रदेश में उत्तर भारत के सभी प्रान्तों की तुलना में सबसे अधिक सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता एवं सम्भावनाएँ है तो मुझे अच्छा लगा । उत्तर प्रदेश में माननीय मुख्यमंत्री सौर ऊर्जा उत्पादन को गति देने के लिए लिए स्वयं रूची ले रहे है।

अभी इस सोलर प्रदर्शनी में मैने र्देखा कि देश एवं प्रदेश की सभी बड़ी सोलर कम्पनियों ने अपने स्टाल लगाए है जिसमें सोलर ऊर्जा से सम्बन्धित सभी प्रकार के उपकरण और समान प्रदर्शित है। इस प्रर्दशनी से जहाँ एक ओर सोलर ऊर्जा संयन्त्र स्थापित करने वालो को एक छत के नीचे ही सभी जानकारियाँ उपलब्ध हो जाएगी वही नये उद्यमियों के लिए भी यह एक सुनहरा मौका है क्योकि आने वाले समय मे सौर ऊर्जा के क्षेत्र

> में उद्यमिता की अपार सम्भावनाए है।



कुछ समय पहले सौर ऊर्जी से बिजली उत्पादन की लागत बहुत अधिक थी जो धीरे-धीरे कम हो रही है। जैसे-जैसे सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ेगा, सौर ऊर्जा के उपकरणो एवं सामग्री का उत्पादन भी बढ़ेगा अतः लागत कीमत में और कमी आएगी। इसलिए मेरा मानना है कि आने वाले समय में सौर ऊर्जा क्षेत्र में ग्रोथ की गति और तीव्र होगी और जो लक्ष्य हमने प्रदेश में रखे है हम उनको न केवल पूरे करेगे अपितु हम उससे अधिक भी कर पायेगे।

माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व एवं प्रोत्साहन से विगत में प्रदेश सरकार ने सौर ऊर्जा नीति, नेट मीटरिंग तथा सौर ऊर्जा उपकरणों पर वैट समाप्त करने

जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए है । आई0आई0ए0 अध्यक्ष द्वारा मुझे यह भी बताया गया कि आई0आई0ए0 अपने इसी भवन में 20 किलोवाट का सोलर संयंत्र शीघ्र ही लगाने जा रहा है ।

प्रदेश सरकार गाँवो एवं दूर—दराज इलोक में जहाँ बिजली उपलब्ध नहीं है में सौर ऊर्जा के उत्पादन और उपयोग की योजना बना चुकी है, सरकारी भवनों में अधिक से अधिक सौर ऊर्जा का उपयोग किया जाने लगा है, स्ट्रीट लाईटिंग के लिए भी सौर ऊर्जा का उपयोग किया जाएगा।अध्यक्ष आई0आई0ए0 ने कुछ नये सुझाव सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने के लिए दिये है इन पर प्रदेश सरकार विचार करेगी।मै चाहता हूँ कि आई0आई0ए0 अपना यह प्रयास आने वाले वर्षों में भी जारी रखे। इस प्रयास में प्रदेश सरकार द्वारा आई0आई0ए0 को पूर्ण सहयोग दिया जाएगा।



Shri Manish Goel, President-IIA while delivering his welcome address expressed his sincere thanks to Hon'ble Chief Secretary and Secretary Additional sources of Energy U.P for their continued support to IIA in its endeavors to promote Solar Energy. Shri Parthasarthi Sen Sharma, Secretary, Additional Sources of Energy U.P in his address said that very soon a Solar Mini Grid Policy will be launched which will enable a consumer to draw power from independent grids when the main grid fails to meet the demand. It will also help millions of households that are yet to be linked with the conventional power grid. He further said that in order to provide skilled manpower and dissemination in the field of alternative energy and renewable energy, the Government has set up Training Institutes for organising training programmes. At last Shri Sharma was of the view that IIA must find out ways to play a pro-active role in being part in these Training programmes. The other highlights of the Conclave were excellent presentations by the experts on various topics as under:

Powerpoint presentation made by Shri Parth Sathi Sen Sharma on "Renewable Energy and Energy Conservation in the State of Uttar Pradesh".

Shri Parthsarthi Sen Sharma, Secretary, Additional Sources of Energy, said that there is abundant

sunshine available for solar power generation in U.P. The chief points that were discussed by him were as under:

- ❖ The status of implementation of Solar Policy-2013
- Solar Park which has been proposed to be set up
- Grid Connected Rooftop SPV Plants-2014
- Off-Grid Solar Systems (Solar Pumps)
- Off-grid Solar Power Plants
- Solar RO Water & Fan for Primary School Children



- Solar Power Pack in Dr. Lohiya Awas and Shri Janeshwar Mishra Gram 2001 w.e.f. July 2015
 - Future Plans of State Government for promotion of Solar Energy.
 - Decentralized distributed generation (DDG)
 - Mini-grid Achievements- Mini-Grids Solar Power Plants
 - ❖ Promulgated "UTTAR PRADESH MINI GRID POLICY 2016"
 - Training centres set up at-Chinhat ,Lucknow and other in Ghosi, Mau
 - Nomination of UPNEDA as StateDesignated Agency (SDA) under Energy Conservation ACT-

Success story on implementation of Roof Top Solar Power system and as a result of Government of U.P. policies and efforts of the private players presented by Shri A.K. Bhargava, GM-Kanpur Plastipack Ltd.

Mr A.K.Bhargava,General Manager, Kanpur Plastipack Ltd gave a brief description about Roof Top Solar Plant set up at Kanpur Plastipack Ltd located at Udyog Kunj, Panki Industrial Area, Kanpur.

He said that there were various reasons for choosing solar power. Few of them were - no input material cost,



almost free power after payback period, Income Tax & Accelerated Depreciation Benefit, Use of vacant PEB roof which otherwise can't be used for any other application, Solar Panels provide insulation against heat during summer, Net Metering Benefit, Carbon Emission Reduction etc.

The exact requirements of roof for solar installation were assessed for which the size, area and structure of roof was analyzed. The outcome was that Total Generation in the first year from Oct 14 to

Sep 15 was 2,43,578 Units of electricity against projected generation of 2,67,993 Units (as per Kanpur irradiation data)

The benefits noticed as a result of installation of Roof Top Solar Power Plant at Kanpur Plastipack Ltd were as under:

- At KPL, there is a reduction in temperature inside the production hall after installation of solar panels.
- Getting on average 800 units per day of solar electricity
- Net metering benefit
- Tax Benifits
- Own power generation
- Green Power



Powerpoint presentation on "Innovative ideas in harnessing of Solar Energy" by Prof. Usha Bajpai from University of Lucknow.



"skills" required for Solar Energy Technologies.

- We need to be aware of the skill sets that are actually required on the floor for Solar Energy Technologies
- There is a need of Industry Institute interaction in order to understand the needs and requirement of Solar Energy.

Thus in view of the above, MNRE has proactively initiated a project to estimate the future human resource (HR) needs in the Solar energy sector and evolve suitable HRD strategies for meeting them.

Apart from the above, Function-wise Skill Gaps in Solar

Photovoltaic and Solar Thermal Systems was explained in detail by Prof Usha Bajpayi According to her, a productive interface between academia and industry, in the present time of knowledge and economy is a critical requirement of today's time.

She also mentioned that University Grants Commission has approved the University of Lucknow to start Bachelor of Vocation (B Voc) Courses in Renewable Energy Technology in the University which was started in 2015 – 16 academic session.

Other than the above the following steps are required to be taken in the Solar Energy field:

- Acknowledge "Sustainable Future and Energy Security"
- Find ways and means of integrating Solar Energy industry institution.
- Create Solar Energy projects involving industry and institution that can be funded by industry or institution
- Involve Solar Energy industrial experts in curriculum development in institutions.
- Invite Solar Energy Industrial Experts to the campuses to share their knowledge and experience.
- Increase student exposure to actual Solar Energy industrial work.
- Embrace a "value based" teaching system.

Prof Usha Bajpai Coordinator, Solar Energy & Director, B Voc Solar Energy Technology Centre of Excellence in Solar Energy Education and Research, University of Lucknow discusses the following points:

- A subsequent amount of weightage is needed to be given to the "Skill Requirements" in our course curriculum in Solar Energy Technologies.
- In a performance driven world, our students need to be equipped with



Powerpoint presentation on the topic "Financing of Solar Energy Projects" by Shri Abhilakh Singh, General Manager IREDA.

Shri Abhilakh Singh, General Manager, IREDA said that renewable energy with its huge untapped potential, shall be playing a significant role in the plans of the Government to provide 24 x 7 power to every home, factory and farm, Wind and Solar Energy being the predominant sectors.

National Salar Conclave

12th March 2016

11A Etherway Vibrati Mand Conti Sugar

Chief Goest of Boncer Brit March Senior Bonce

Goest of Boncer Brit March Senior Bonce

Chief Senior Brit March Senior Bonce

Const of Boncer Brit March Senior Bonce

Const Senior Senio

IREDA is an ISO Certified Profit earning & Dividend paying Company with 29 years of experience in financing Renewable Energy Projects. It has a track record of financing more than 2200 projects. IREDA has been awarded Mini Ratna (Category – I) status by MNRE (Govt of India). The sector for which financing is available are:



- Wind Energy
- Hydro Power
- Solar Energy
- Biomass including Bagasse & Industrial Cogeneration
- Biomass Power Generation
- Waste to Energy
- Energy Efficiency & Energy Conservation
- Bio-fuel / Alternate Fuel
- Hybrid Projects with RE Technologies
- New & Emerging Renewable Energy Technologies

He ended his presentation by saying that financing shall remain a challenge to propel the growth of renewable energy and IREDA remains committed to overcome these challenges to drive the momentum of growth of the renewable energy sector.

Presentation on "The technological challenges in Jawaharlal Nehru National Solar Mission" by Dr. Suresh C Bajpai FIETE Director, Futuris Energy Pvt Ltd.

Dr. SURESH C BAJPAI ,FIETE, Director, Futuris Energy Pvt. Ltd. & Subject Expert, Centre of Excellence in Renewable Energy Education and Research, University of Lucknow said that solar energy provides the ability to generate power on a distributed basis and enables rapid capacity addition with short lead times. Off-grid decentralized and low-temperature applications will be advantageous from a rural electrification perspective and meeting other energy needs for power and heating and cooling in both rural and urban areas. India is faced with the challenge of



sustaining its rapid economic growth while dealing with the global threat of climate change. This

greenhouse gas emissions in the atmosphere, anthropogenically generated through longterm and intensive industrial growth and high consumption lifestyles. While engaged with the international community to collectively and cooperatively deal with this threat, India needs a national strategy to



- Firstly, adapt to climate change
- Secondly, to further enhance the ecological sustainability of India's development path.

He further said that Jawaharlal Nehru National Solar Mission (JNNSM) aims to achieve grid tariff parity by 2022 through

- Large scale utilization, rapid diffusion and deployment at a scale which leads to cost reduction
- R&D, Pilot Projects and Technology Demonstration
- ➤ Local manufacturing and support infrastructure

The other points that were covered in his presentation are: Brief about Solar City

- Scheme for development of Solar Parks
- o Solar Rooftop-Grid Connected Programme
- o Solar Power (Off-grid) Programme
- o Remote Village Electrification Programme
- o Cumulative Commissioned Status of Grid Connected Solar Power Projects as on 31-01-2016
- o Solar Power Projects likely to commissioned in 2015-16 under State Policies
- o Overall Status of tendering/PPA's for commissioning in 2016-17 for Solar Power Projects





